ISSN: 2456–4397 RNI No.UPBIL/2016/68067 Vol-1* Issue-9* December- 2016
Anthology : The Research

मध्य अरावली पहाड़ी क्षेत्र में साक्षरता स्तर का व्यावसायिक संरचना पर प्रभाव

पूर्णिमा मिश्रा
एसोसिएट प्रोफेसर,
भूगोल विभाग,
राजस्थान विश्वविद्यालय,
जयपुर

बिन्दु यादव
शोधार्थी,
भूगोल विभाग,
राजस्थान विश्वविद्यालय,
जयपुर

सारांश

विश्व की प्राचीनतम पर्वत श्रृंखलाओं में एक अरावली पर्वत श्रृंखला हैं, जो भारत के उत्तर पश्चिम भाग में फैली हुई हैं। इस पर्वत श्रेणी की कुल लम्बाई 692 किलोमीटर है, जो उत्तर में दिल्ली से दक्षिण में गुजरात के खेड़ ब्रह्मा तक उत्तर–पूर्व से दक्षिण–पश्चिम दिशा में फैली हुई हैं

मुख्य शब्द : अरावली पर्वत श्रृंखला, सामाजिक–आर्थिक विकास।

प्रस्तावना

अरावली प्रदेश उच्चावचीय विषमताओं वाला क्षेत्र है, जिसका प्रभाव इस क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों पर पड़ता है। यहां संसाधन विस्तरण में भी समानता नहीं हैं, अतः इस क्षेत्र के सभी भागों में विकास समान नहीं हुआ हैं। साक्षरता स्तर कों एक प्रभावी सूचकांक माना जाता है, जों आर्थिक गतिविधियों के प्रारूप कों प्रभावित कर सामाजिक–आर्थिक विकास में योगदान देता है।

अध्ययन क्षेत्र

विस्तृत विवेचन के लिए मध्य अरावली पहाड़ी क्षेत्र का चयन किया गया है, जो 25^0 25′ से 26^0 57′ उत्तरी अक्षांश तथा 73^0 25′ से 75^0 07′ पूर्वी देशान्तर में मध्य स्थित है। इसका भौगोलिक क्षेत्रफल 9353.08 वर्ग किलोमीटर है। इसमें अजमेर जिले की किशनगढ़, अजमेर, नसीराबाद, पीसागंन, ब्यावर, व मसूदा तथा पाली जिले की रायपुर व मारवाड़ जंक्शन एवम् राजसमंद जिले की भीम व देवगढ़ तहसीलों को सम्मिलित किया गया है।

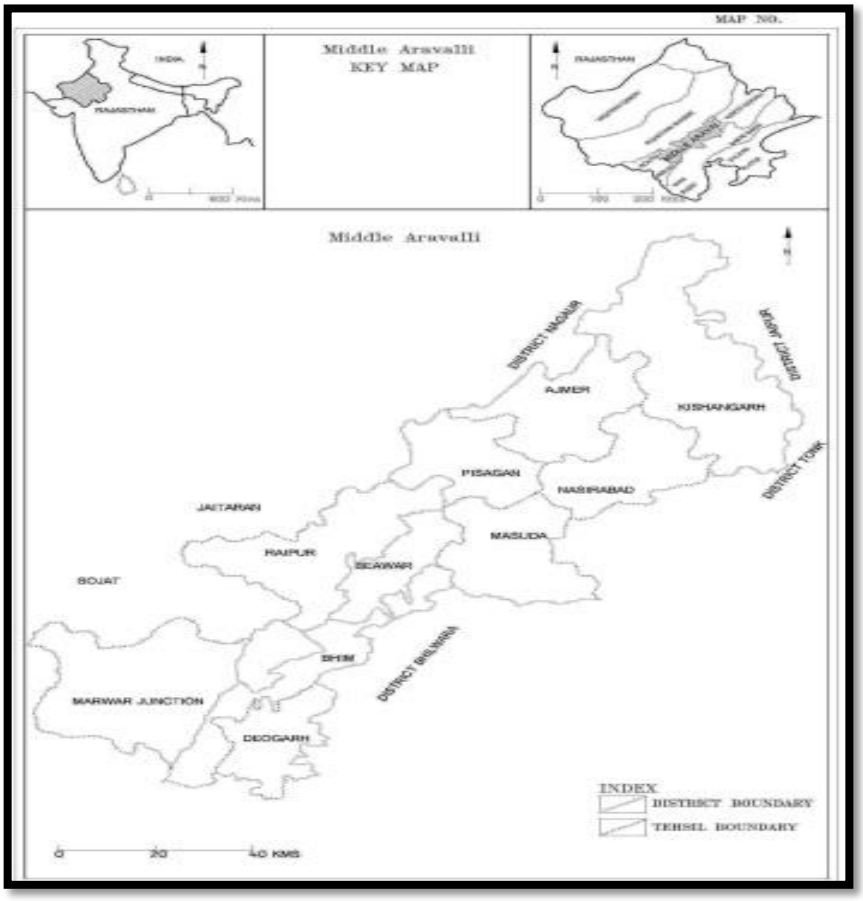

भौतिक स्वरूप

मध्य अरावली पहाड़ी क्षेत्र की जलवायु उपआर्द्र है। यहाँ वर्षा गर्मियों में मानसूनी हवाओं से होती हैं। थार्नथ्वेट के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार इस क्षेत्र को ब्।ठ् (अर्द्ध शुष्क एवं उपार्द्र) में शामिल किया गया हैं। इस क्षेत्र में वर्षा 60 सेन्टीमीटर से अधिक होती हैं। यहाँ औसत तापमान ग्रीष्म ऋतु में 26 से 41° सेन्टीग्रेड तथा शीत ऋतु में 8 से 20° सेन्टीग्रेड रहता हैं। यहाँ की सभी नदियाँ मौसमी प्रवाह वाली हैं, जिसमें रूपनगढ़, सागरमती, बारा, लीलड़ी, सुकड़ी, मीठड़ी व खारी प्रमुख हैं। यहाँ कई महत्वपुर्ण खनिज पायें जाते हैं। जैसे संगमरमर, एस्बेस्टॉस, फेल्सपार, मैन्गेसाइट, गारनेट इत्यादि।

मध्य अरावली पहाड़ी क्षेत्र की सन् 2011 की जनगणना के अनुसार कुल जनसंख्या 2785068 हैं। जिसमें पुरूष 1421110 तथा महिलाएँ 1363958 हैं। 2001 की जनगणना में इस क्षेत्र में कुल जनसंख्या 2373136 थी जिसमें पुरूष 1220031 तथा महिलाएँ 1153105 थी। अध्ययन क्षेत्र में 2001–2011 के दशक में दशकीय वृद्धि दर 17.35 प्रतिशत रही हैं। यहाँ लिंगानुपात 2011 की जनगणना में 960 रहा, जो 2001 की जनगनणा में 945 था। यहां पर जनसंख्या घनत्व 2011 में 298 था जो 2001 में 254 था। अध्ययन क्षेत्र में 2011 में कुल साक्षरता 59.23 प्रतिशत हैं। जो 2001 में 49.81 प्रतिशत थी।

उद्देश्य

1. मध्य अरावली पहाड़ी क्षेत्र में शैक्षिक दशा एवम् शैक्षिक दशा में परिवर्तन का आकंलन करना।
2. तहसील स्तरीय मुल्यों का अध्ययन क्षेत्र के संदर्भ में आकलन कर शिक्षा साक्षरता की दशा का क्षेत्रीय वितरण प्रतिरूप ज्ञात करना।
3. क्षेत्र में लोगों की व्यावसायिक संरचनां का अध्ययन करना।
4. साक्षरता स्तर व व्यावसायिक संरचना के बीच सहसंबंध ज्ञात करना।

परिकल्पना

1. साक्षरता स्तर व व्यावसायिक संरचना के बीच सहसंबंध पाया जाता हैं।
2. साक्षरता स्तर ज्यादा होने पर द्वितीयक व तृतीयक क्रियाओं मे संलग्न जनसंख्या का अनुपात भी ज्यादा होता है।

विधितंत्र

विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त आकड़ों के प्रदर्शन हेतु विभिन्न मानचित्रिय विधियों का प्रयोग किया गया है। जैसे दण्डारेख, चक्रारेख आदि। सहसम्बन्ध ज्ञात करने के लिए कार्लपियर्सन के सहसंबंध गुणांक का उपयोंग किया गया है।

शैक्षणिक स्वरूप

शिक्षा एक प्रभावी कारक के रूप में सामाजिक–आर्थिक स्तर व जीवन की गुणवता को प्रभावित करती है। शिक्षा के स्तर में सुधार का प्रभाव सामाजिक आर्थिक विकास पर पड़ता हैं। जैसे–जैसे क्षेत्र विषेष में शिक्षा के स्तर में सुधार होता हैं। उसी के अनुरूप लोगों के जीवन की गुणवता में भी सकारात्मक परिवर्तन आने लगता हैं। इसका प्रभाव लोगों की व्यावसायिक संरचना में परिवर्तन के रूप में प्रकट होने लगता हैं।

अध्ययन क्षेत्र में शिक्षण संस्थाएं व विद्यार्थी (2003–2004 से 2006–2007)

सारणी–.1

(2003–2004)					(2006–2007)				
शिक्षण संस्थाएं	**शिक्षण संस्थाओं की संख्या**	**कुल विद्यार्थी**	**छात्र**	**छात्राएं**	**शिक्षण संस्थाओं की संख्या**	**कुल विद्यार्थी**	**छात्र**	**छात्राएं**	**परिवर्तन (कुल विद्यार्थी)**
विश्वविद्यालय	01	521	318	203	01	1910	1236	674	1389
सामान्य शिक्षा के महाविद्यालय	14	21151	12267	8866	26	20445	10780	9665	–706
माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालय	311	102995	65995	37000	362	119063	74026	45037	16068
उच्च प्राथमिक विद्यालय	607	130090	74001	56089	780	134317	76491	57826	4227
प्राथमिक विद्यालय	1410	168645	94341	74304	1495	153857	83454	70403	–14788
राजीव गाँधी विद्यालय	80	4264	2298	1966	....	....	....	....	–4264
योग	2423	427648	249220	178428	2664	429592	245987	183605	1944

स्त्रोत– आर्थिक व सांख्यिकी निदेशालय, जयपुर

शोध क्षेत्र में शिक्षण संस्थाएं व विद्यार्थी सत्र 2003–2004

शिक्षण संस्थाएं

मध्य अरावली पहाड़ी क्षेत्र में 2003–2004 के आंकड़ों के अनुसार कुल 2,423 शिक्षण संस्थाएं उपलब्ध थी। सर्वाधिक शिक्षण संस्थाएं अजमेर तहसील (451) में रही तथा न्यूनतम शिक्षण संस्थाएं नसीराबाद तहसील (38) में रही। कुल शिक्षण संस्थाओं में प्राथमिक विद्यालयों (1,410) की संख्या सबसे अधिक रही तथा न्यूनतम संख्या में विष्वविद्यालय है जो क्षेत्र में सिर्फ एक हैं।

विद्यार्थी

अध्ययन क्षेत्र में सत्र 2003–2004 में कुल विद्यार्थी 427,648 रहें जिनमें 2,49,220 छात्र तथा 1,78,428 छात्राएं रहीं। सबसे ज्यादा विद्यार्थी अजमेर तहसील (107531) में तथा सबसे कम नसीराबाद तहसील (8,807) में रहें।

क्षेत्र मे प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों (1,68,645) की संख्या सर्वाधिक तथा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी (521) सबसे कम रहें हैं।

सत्र 2006–2007

शिक्षण संस्थाएं

क्षेत्र में सत्र 2006–2007 में कुल शिक्षण संस्थाएं 2,664 रही हैं। सर्वाधिक शिक्षण संस्थाएं अजमेर (483) में तथा न्यूनतम नसीराबाद (42) में रही हैं। इस सत्र में कुल शिक्षण संस्थाओं में प्राथमिक विद्यालयों (1,495) की संख्या सर्वाधिक तथा विश्वविद्यालय (01) की संख्या सबसे कम हैं। गत तीन वर्षों में कुल 241 नये विद्यालय स्थापित हुए।

विद्यार्थी

क्षेत्र में सत्र 2006–2007 में कुल विद्यार्थी 4,29,592 रहें, जिनमें 2,45,987 छात्र तथा 1,83,605 छात्राएं रही हैं। सबसे ज्यादा विद्यार्थी अजमेर तहसील (1,20,242) में तथा सबसे कम नसीराबाद तहसील (8,711) में रहें, क्षेत्र में प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों (1,53,857) की संख्या सर्वाधिक तथा विश्वविद्यालय (1,910) के विद्यार्थियों की संख्या सबसे कम रहीं हैं। वर्ष 2003–2004 की तुलना में कुल 1,944 विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई।

साक्षरता स्तर

साक्षरता स्तर को सामाजिक–आर्थिक विकास के सूचकांक के रूप में स्वीकार किया जाता है। अध्ययन क्षेत्र में दो दशकों (2001-2011) के साक्षरता स्तर का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है।

अध्ययन क्षेत्र में साक्षरता (2001.2011)

सारणी– 2 **(प्रतिशत में)**

क्र. सं.	तहसील	2001			2011			कुल साक्षरता में परिवर्तन
		कुल साक्षरता	पुरूष साक्षरता	महिला साक्षरता	कुल साक्षरता	पुरूष साक्षरता	महिला साक्षरता	
1.	**किशनगढ़**	47.91	60.51	34.32	54.82	65.52	43.49	42.86
2.	**अजमेर**	65.34	73.75	56.12	69.95	76.95	62.53	23.88
3.	**नसीराबाद**	49.90	64.76	32.95	56.97	69.38	43.24	31.97
4.	**पिसांगन**	41.65	56.85	25.66	50.84	64.03	37.15	43.26
5.	**ब्यावर**	36.27	47.15	26.24	64.20	75.38	52.67	113.79
6.	**मसूदा**	46.93	62.58	30.44	56.09	65.30	36.18	30.29
7.	**रायपुर**	39.61	55.38	23.60	49.69	63.09	36.19	41.46
8.	**मारवाड़ जंक्शन**	41.76	56.89	32.09	51.49	64.11	39.19	27.79
9.	**भीम**	43.88	62.10	26.04	55.44	69.91	40.69	57.06
10	**देवगढ़**	43.50	57.10	30.10	50.44	63.23	38.37	36.92
कुल	**10**	**49.81**	**59.90**	**39.14**	**59.23**	**70.12**	**47.90**	**39.55**

स्त्रोत– जनगणना विभाग, जयपुर

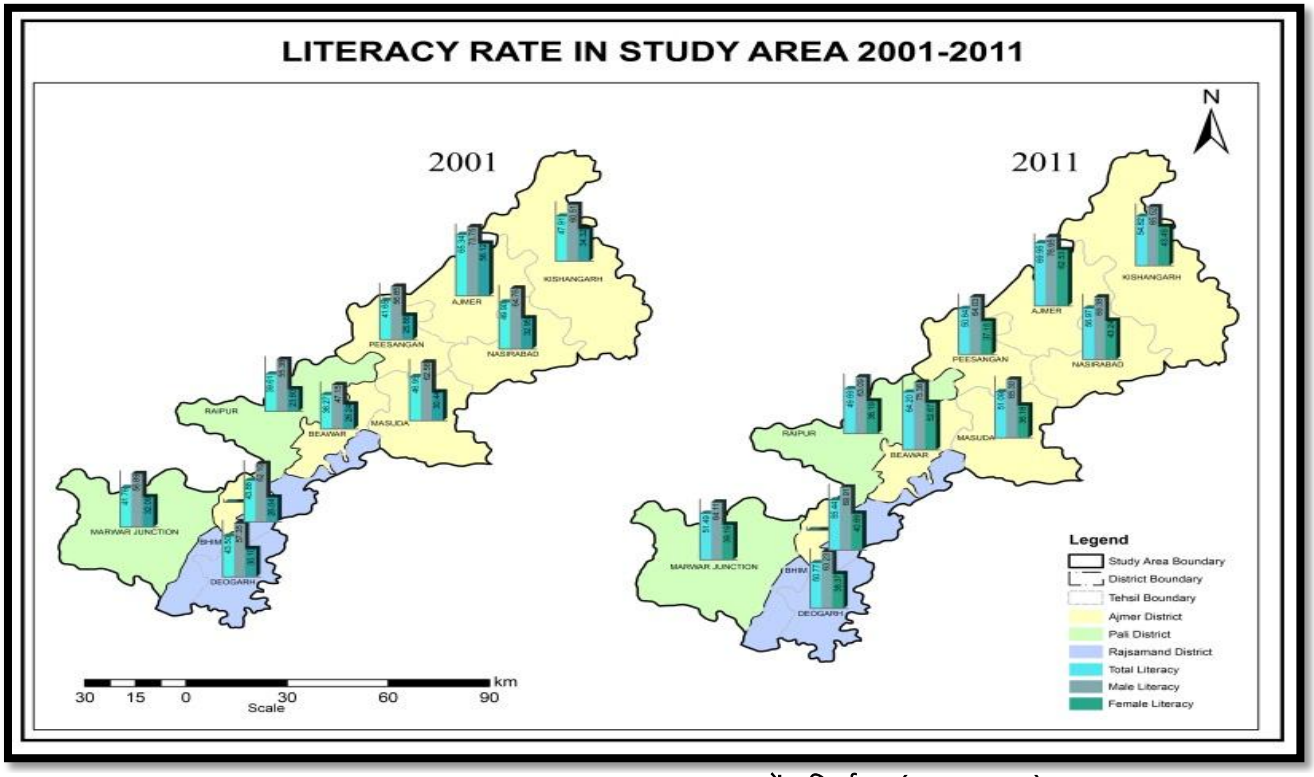

साक्षरता स्तर 2001

1. अध्ययन क्षेत्र में 2001 में कुल साक्षरता 49.81 प्रतिशत रही। औसत से अधिक साक्षरता एकमात्र अजमेर तहसील (65.34 प्रतिशत) में रही। अजमेर तहसील में अधिक साक्षरता प्रतिशत का कारण है यह जिला मुख्यालय है, यहां शिक्षण संस्थाएं भी सर्वाधिक ;451द्ध रही हैं इसके अतिरिक्त यहां परिवहन के मार्ग व साधन भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।
2. इस अवधि में न्यूनतम साक्षरता ब्यावर (36.27 प्रतिशत) तथा रायपुर (39.61 प्रतिशत) तहसीलों में रहीं। इसका कारण यहाँ विषम धरातलीय संरचना होने से परिवहन के साधन व मार्ग पर्याप्त नहीं है। साथ ही यहां जनसंख्या का अधिक अनुपात प्राथमिक आर्थिक गतिविधियों में सलग्न होने से शिक्षा के प्रति जागरूकता कम है।
3. 40–45 प्रतिशत के बीच साक्षरता पीसांगन (41.65 प्रतिशत), मारवाड़ जक्शन (41.76 प्रतिशत), भीम (43.88 प्रतिशत) तथा देवगढ़ (43.50 प्रतिशत) में रही है।
4. इस अवधि में पुरूष साक्षरता 59.90 प्रतिशत तथा महिला साक्षरता 39.14 प्रतिशत रही।

साक्षरता स्तर 2011

अध्ययन क्षेत्र में 2011 में कुल साक्षरता 59.23 प्रतिशत रही। औसत से अधिक साक्षरता अजमेर (69.95 प्रतिशत) व ब्यावर (64.20 प्रतिशत) तहसीलों मे रहीं।

1. इस अवधि में न्यूनतम साक्षरता मसूदा (36.18 प्रतिशत) व रायपुर (36.19) तहसीलों में रही।
2. इस अवधि में पुरूष साक्षरता 70.12 प्रतिशत तथा महिला साक्षरता 47.90 प्रतिशत रही है।

साक्षरता में परिवर्तन (2001–2011)

2001–2011 की अवधि में अध्ययन क्षेत्र में साक्षरता में कुल 39.55 प्रतिशत वृद्धि हुई। सर्वाधिक वृद्धि ब्यावर तहसील (113.79 प्रतिशत) में रही। इसका कारण यहां परिवहन मार्ग व साधनों के विकास के साथ ही मार्बल उधोग के अधिक विकास के कारण यहां लोगों के जीवन–स्तर में सुधार आया है। इससे शिक्षा के प्रति जागरूकता व रूचि भी बढ़ी है। इस अवधि मे साक्षरता में न्युनतम वृद्धि मसूदा (30.29 प्रतिशत) व नसीराबाद (31.97 प्रतिशत) तहसीलों मे रही हैं इसका कारण यहाँ शिक्षण संस्थाओं की कमी व लोगों के जीवन–स्तर में पर्याप्त सुधार की कमी रहा है।

व्यावसायिक संरचना

व्यावसायिक संरचना को भी सामाजिक आर्थिक विकास का सुचकांक माना जाता है। अध्ययन क्षेत्र की व्यावसायिक संरचना में कार्यशील जनसंख्या व विभिन्न आर्थिक गतिविधियों में संलग्न जनसंख्या को सम्मिलित किया जाता है। कार्यशील जनसंख्या चार वर्गो मे विभक्त है–काश्तकार, खेतीहर जनसंख्या, पारिवारिक उद्योगों में लगी जनसख्या व अन्य कार्यों में लगी जनसंख्या।

काश्तकार व खेतीहर मजदुरों की जनसंख्या को प्राथमिक आर्थिक गतिविधियों मे तथा पारिवारिक उधोगों मे संलग्न जनसंख्या तथा अन्य कार्य करने वाली जनसंख्या कों द्वितीयक व तृतीयक आर्थिक गतिविधियों मे सम्मिलित किया गया है।

अध्ययन क्षेत्र की व्यावसायिक संरचना (2001–2011)

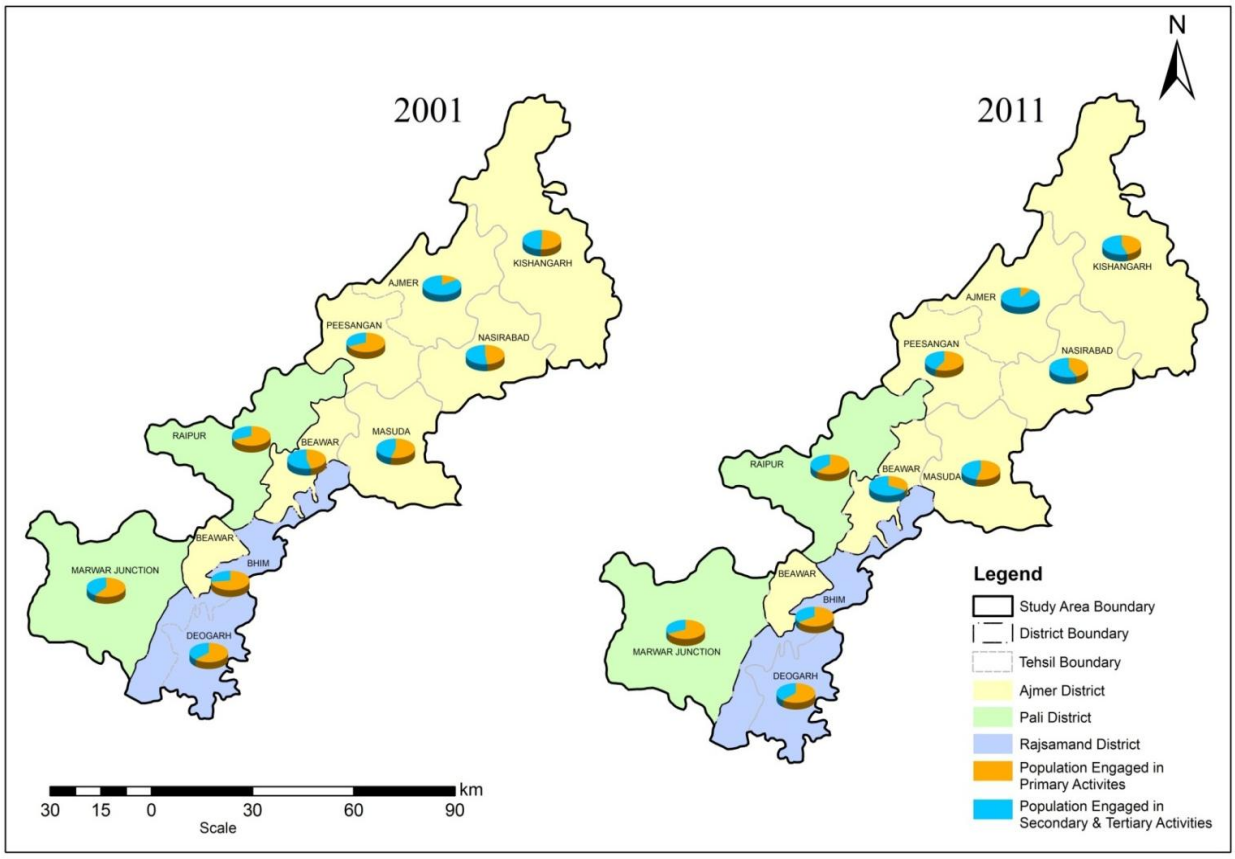

व्यावसायिक संरचना वर्ष 2001 एवं 2011

सारणी– 3 (प्रतिशत)

व्यावसायिक संरचना	2001			2011		
	योग	पुरूष	महिला	योग	पुरूष	महिला
प्राथमिक आर्थिक क्रियाओं में संलग्न जनसंख्या	434385 (48.02%)	127666 (21.64%)	310113 (98.55%)	486868 (42.98%)	124115 (17.01%)	362753 (89.89%)
द्वितीयक व तृतीयक आर्थिक क्रियाओं में संलग्न जनसंख्या	470214 (51.98%)	462277 (78.36%)	4543 (1.45%)	645908 (57.02%)	605137 (82.99%)	40771 (10.11%)
कार्यशील जनसंख्या	904599 (38.11%)	589943 (48.35%)	314656 (27.23%)	1132776 (40.67%)	729252 (51.31%)	403524 (29.58%)

स्त्रोत– शोधार्थी द्वारा गणना

कार्यशील जनसंख्या

2001

अध्ययन क्षेत्र में 2001 में कुल कार्यशील जनसंख्या का अनुपात 38.11 प्रतिशत था। इसमें पुरूष कार्यशील जनसंख्या 48.35 प्रतिशत तथा महिला कार्यशील जनसंख्या 27.23 प्रतिशत थी। सर्वाधिक कार्यशील जनसंख्या पीसांगन (47.79 प्रतिशत) देवगढ़ (47.17 प्रतिशत) व मसूदा (45.75 प्रतिशत) तहसीलों में रही तथा न्यूनतम कार्यशील जनसंख्या अजमेर (30.52 प्रतिशत) व ब्यावर (33.73 प्रतिशत) तहसीलों में रही।

2011

अध्ययन क्षेत्र में 2011 में कुल कार्यशील जनसंख्या बढ़कर 40.67 प्रतिशत हो गयी। इसमें पुरूष कार्यशील जनसंख्या बढकर 51.31 प्रतिशत तथा महिला कार्यशील जनसंख्या बढ़कर 29.58 प्रतिशत हो गयी। सर्वाधिक कार्यशील जनसंख्या भीम (48.52 प्रतिशत), देवगढ़ (47.90 प्रतिशत) तथा मसूदा (46.41 प्रतिशत) तहसीलों में रही तथा न्यूनतम कार्यशील जनसंख्या अजमेर (34.11 प्रतिशत) व ब्यावर (38.01 प्रतिशत) तहसीलों में रही।

वृद्धि/कमी

2001 से 2011 के बीच की अवधि में कार्यशील जनसंख्या में 25.22 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सर्वाधिक वृद्धि भीम (44.87 प्रतिशत) तहसील में तथा न्यूनतम वृद्धि मारवाड़ जंक्शन (7.11 प्रतिशत) में हुई। पुरूष कार्यशील जनसंख्या में वृद्धि 23.61 प्रतिशत तथा महिला कार्यशील जनसंख्या में वृद्धि 28.24 प्रतिशत हुई।

प्राथमिक आर्थिक क्रियाओं में संलग्न जनसंख्या 2001

2001 में कुल कार्यशील जनसंख्या का 48.02 प्रतिशत भाग प्राथमिक आर्थिक क्रियाओं मे संलग्न रहा।

पुरुष कार्यशील जनसंख्या का 21.64 प्रतिशत भाग तथा महिला कार्यशील जनसख्या का 98.55 प्रतिशत भाग इन क्रियाओं में संलग्न था। इस अवधि में प्राथमिक क्रियाओं मे संलग्न सर्वाधिक जनसंख्या भीम (73.24 प्रतिशत) तथा रायपुर (70.33 प्रतिशत) तहसीलों में तथा न्यूनतम अजमेर (17.07 प्रतिशत) तहसील में रही जहाँ साक्षरता का अनुपात सर्वाधिक है।

2011

2011 में कुल कार्यशील जनसंख्या का 42.98 प्रतिशत भाग प्राथमिक आर्थिक क्रियाओं मे संलग्न रहा। पुरूष कार्यशील जनसंख्या का 17.01 प्रतिशत भाग तथा महिला कार्यशील जनसंख्या का 89.89 प्रतिशत भाग इन क्रियाओं मे संलग्न था। इस अवधि में इन क्रियाओं में संलग्न जनसंख्या का सर्वाधिक अनुपात मारवाड़ जंक्शन (69.65 प्रतिशत) तथा न्यूनतम अनुपात अजमेर (12.56 प्रतिशत) तहसीलों में रहा।

वृद्धि / कमी

2001 से 2011 की अवधि में प्राथमिक क्रियाओं मे संलग्न जनसंख्या में 12.08 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सर्वाधिक वृद्धि भीम (33.42 प्रतिशत) तथा सर्वाधिक कमी ब्यावर (–16.88 प्रतिशत) तहसील में रही। इन क्रियाओं में संलग्न पुरूष जनसंख्या में 2.78 प्रतिशत की कमी तथा महिला जनसंख्या में 16.97 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

द्वितीयक व तृतीयक आर्थिक क्रियाओं में संलग्न जनसंख्या

2001

2001 में कुल कार्यशील जनसंख्या का 51.98 प्रतिशत भाग द्वितीयक व तृतीयक आर्थिक क्रियाओं में संलग्न रहा। पुरूष कार्यशील जनसंख्या का 78.36 प्रतिशत भाग तथा महिला कार्यशील जनसंख्या का 1.45 प्रतिशत भाग इन क्रियाओं मे संलग्न रहा। इस अवधि में द्वितीयक व तृतीयक क्रियाओं मे संलग्न सर्वाधिक जनसंख्या अजमेर (82.93 प्रतिशत) तहसील में तथा न्यूनतम रायपुर (29.67 प्रतिशत) तहसील में रही।

2011

2011 में कुल कार्यशील जनसंख्या का 57.02 प्रतिशत भाग द्वितीयक व तृतीयक आर्थिक क्रियाओं में संलग्न रहा। पुरूष कार्यशील जनसंख्या का 82.99 प्रतिशत भाग तथा महिला कार्यशील जनसंख्या का 10.11 प्रतिशत भाग इन क्रियाओं में संलग्न रहा। इस अवधि में इन क्रियाओं में संलग्न सर्वाधिक जनसंख्या अजमेर (87.44 प्रतिशत) तहसील में तथा न्यूनतम मारवाड़ जंक्शन (30.35 प्रतिशत) तहसील में रहा।

वृद्धि / कमी

2001 से 2011 की अवधि में द्वितीयक व तृतीयक क्रियाओं में संलग्न जनसंख्या में 37.36 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सर्वाधिक वृद्धि भीम (76.22 प्रतिशत) तथा सर्वाधिक कमी मारवाड़ जंक्षन (–15.79 प्रतिशत) में रही। इन क्रियाओं में संलग्न पुरूष जनसंख्या में 30.90 प्रतिशत की वृद्धि हुई तथा महिला जनसंख्या में 797.44 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

साक्षरता स्तर का व्यावसायिक संरचना पर प्रभाव

साक्षरता स्तर का व्यावसायिक संरचना पर प्रभाव ज्ञात करने के लिए इन दोंनों के बीच सहसंबंध ज्ञात किया गया हैं, इसके लिए कार्ल पियर्सन के सहसंबंध गुणांक का उपयोग किया गया हैं । इसमें प्रत्यक्ष विधि का उपयोंग किया गया हैं।

साक्षरता में परिवर्तन व कार्यशील जनसंख्या में परिवर्तन के बीच सहसंबंध

सारणी –4 **(प्रतिशत में)**

क.स.	तहसील	साक्षरता में परिवर्तन (x)	dx	कार्यशील जनसंख्या में परिवर्तन (y)	dy	dxdy
1	किशनगढ़	42.86	-2.06	31.97	7.24	-14.91
2	अजमेर	23.88	-21.04	29.32	4.59	-96.57
3	नसीराबाद	31.97	-12.95	15.47	-9.26	119.91
4	पीसांगन	43.26	-1.66	30.98	6.25	-10.37
5	ब्यावर	113.79	68.87	21.71	-3.02	-207.98
6	मसूदा	30.29	14.63	21.40	-3.33	-48.71
7	रायपुर	41.46	-3.46	25.33	0.60	-2.07
8	मारवाड. जंक्शन	27.79	-17.13	7.11	-17.62	301.89
9	भीम	57.06	12.14	44.87	20.14	244.49
10	देवगढ़	36.28	-8.00	19.15	-5.58	44.64
योग	10	449.28		247.31		330.24
		Σx		*Σy*		*Σdxdy*

स्त्रोत –शोधार्थी द्वारा गणना

सूत्र= $r = \frac{\sum dxdy}{\sqrt{\sum d^2x \sum d^2y}}$ rxy = +0.136

1. साक्षरता में परिवर्तन व कार्यशील जनसंख्या में परिवर्तन के बीच धनात्मक (+0.136) सहसंबंध पाया जाता है।
2. किशनगढ़, पीसांगन, ब्यावर व भीम तहसीलों में साक्षरता में 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई हैं यहाँ पर कार्यशील जनसंख्या में भी 30–45 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
3. कार्यशील महिलाओं का प्रतिशत 2001 में 27.23 प्रतिशत था, जो 2011 में 29.58 प्रतिशत हों गया।

यह वृद्धि महिलाओं की साक्षरता में वृद्धि के कारण हुई है।

साक्षरता में परिवर्तन व प्राथमिक आर्थिक क्रियाओं मे संलग्न जनसंख्या में परिवर्तन के बीच सहसम्बन्ध

सारणी–5 (प्रतिशत में)

क्र.स.	तहसील	साक्षरता में परिवर्तन (x)	dx	प्राथकमिक आर्थिक क्रियाओं मे संलग्न जनसंख्या में परिवर्तन (y)	dy	dxdy
1	किशनगढ़	42.86	-2.06	10.97	-0.16	0.32
2	अजमेर	23.88	-21.04	2.71	-8.42	177.15
3	नसीराबाद	31.97	-12.95	0.07	-11.06	143.22
4	पीसांगन	43.26	-1.66	8.68	-2.45	4.06
5	ब्यावर	113.79	68.87	-16.88	-28.01	-1929.04
6	मसूदा	30.29	-14.63	20.70	9.57	-140.00
7	रायपुर	41.46	-3.46	15.28	4.15	-14.35
8	मारवाड. जंक्शन	27.79	-17.13	17.55	6.42	-109.97
9	भीम	57.06	12.14	33.42	22.29	270.60
10	देवगढ़	36.28	-8.00	18.82	7.62	-60.96
योग		449.28		111.32		-1659.57
		Σx		Σy		Σdxdy

स्त्रोत –शोधार्थी द्वारा गणना

सूत्र= $r = \frac{\sum dxdy}{\sqrt{\sum d^2x \sum d^2y}}$ *rxy = -0.517*

साक्षरता में परिवर्तन व प्राथमिक आर्थिक क्रियाओं में संलग्न जनसंख्या में परिवर्तन के बीच ऋणात्मक (–0.517) सहसंबंध पाया जाता हैं। ब्यावर में 2001 में महिला कार्यशील जनसंख्या का 98.55 प्रतिशत भाग प्राथमिक आर्थिक क्रियाओं में संलग्न था जो 2011 में घटकर 89.89 प्रतिशत रह गया।अतः साक्षरता साक्षरता में वृद्धि (113.79 प्रतिशत) सर्वाधिक हुई हैं यहाँ पर प्राथमिक आर्थिक क्रियाओ में संलग्न जनसंख्या में 16. 88 प्रतिशत की कमी आयी है।

बढने का प्रभाव महिलाओं के प्राथमिक आर्थिक गतिविधिओं में संलग्नता में कमी के रूप में प्रकट होता है।

साक्षरता में परिवर्तन व द्वितीयक–तृतीयक आर्थिक क्रियाओं में संलग्न जनसंख्या में परिवर्तन के बीच सहसम्बन्ध

सारणी –5 (प्रतिशत में)

क.स.	तहसील	साक्षरता में परिवर्तन (x)	dx	द्वितीयक व तृतीयक आर्थिक क्रियाओं मे संलग्न जनसंख्या में परिवर्तन (y)	dy	dxdy
1	किशनगढ़	42.86	-2.06	54.32	19.99	-41.17
2	अजमेर	23.88	-21.04	34.80	0.47	-9.88
3	नसीराबाद	31.97	-12.95	29.33	-5.00	64.75
4	पीसांगन	43.26	-1.66	56.25	21.92	-36.38
5	ब्यावर	113.79	68.87	53.25	18.92	1303.02
6	मसूदा	30.29	-14.63	22.29	-12.04	176.14
7	रायपुर	41.46	-3.46	12.96	-22.04	76.25
8	मारवाड. जंक्शन	27.79	-17.13	-15.79	-50.12	858.55
9	भीम	57.06	12.14	76.22	41.89	508.54
10	देवगढ़	36.28	-8.00	19.76	-14.57	116.56
योग	10	449.28		343.39		3016.38
		Σx		Σy		Σdxdy

स्त्रोत –शोधार्थी द्वारा गणना

सूत्र= $r = \frac{\sum dxdy}{\sqrt{\sum d^2x \sum d^2y}}$ rxy=+0.703

1. साक्षरता में वृद्धि का प्रभाव द्वितीयक एवम् तृतीयक आर्थिक कार्यो में लोगों की संलग्नता में वृद्धि के रूप में प्रकट होता हैं दोनों के बीच उच्च धनात्मक (+0. 70) सहसंबंध पाया जाता है।
2. पहले महिलाएं कृषि एवम् पशुपालन आदि कार्यो में संलग्न रहती थी, परन्तु 2001 से 2011 के दौरान महिलाओ की साक्षरता में 44.73 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस दौरान द्वितीयक व तृतीयक आर्थिक गतिविधियों में महिलाओ की संलग्नता में 797.44 प्रतिशत की वृद्धि हुई।
3. किशनगढ़, पीसांगन, ब्यावर एवम् भीम तहसीलों में जहाँ पर साक्षरता में वृद्धि दर 40 प्रतिशत से अधिक

रही है, वहां द्वितीयक व तृतीयक आर्थिक क्रियाओं में संलग्न जनसंख्या का प्रतिशत भी 50 से 75 प्रतिशत के बीच रहा हैं।

निष्कर्ष

1. शोध क्षेत्र में 2001–2011 में सर्वाधिक साक्षरता अजमेर (69.95 प्रतिशत) तहसील की रही यहां द्वितीयक व तृतीयक क्रियाओं में संलग्न जनसंख्या का अनुमात भी सर्वाधिक (87.44 प्रतिशत) (धनात्मक सहसंबंध +0.703) रहा। न्यूनतम साक्षरता रायपुर (49.69 प्रतिशत) तहसील की रही, यहाँ द्वितीयक व तृतीयक क्रियाओं मे संलग्न जनसंख्या का अनुपात भी न्यूनतम (35.70 प्रतिशत) रहा है।
2. साक्षरता बढ़ने पर प्राथमिक क्रियाओं में संलग्न लोगों की संख्या में कमी (ऋणात्मक सहसंबंध –0.517) आती हैं, जैसे ब्यावर में साक्षरता में परिवर्तन अधिकतम (113.79 प्रतिशत) रहा है। यहाँ प्राथमिक क्रियाओ में संलग्न जनसंख्या में भी सर्वाधिक कमी (–16.88 प्रतिशत) रही है।
3. महिला साक्षरता 2001–2011 में 39.14 प्रतिशत से बढ़कर 47.98 प्रतिशत हो गयी। इस अवधि में महिलाओं की द्वितीयक व तृतीयक कियाओं मे संलग्नता 1.45 प्रतिशत से बढ़कर 10.11 प्रतिशत हो गयी।
4. साक्षरता एक प्रभावी सूचकांक हैं, जो विभिन्न आर्थिक गतिविधियों में संलग्न जनसंख्या के अनुपात को प्रभावित कर व्यावसायिक संरचना के माध्यम से सामाजिक–आर्थिक विकास में योगदान देता है।

सुझाव

1. शोध क्षेत्र में रायपुर (49.69 प्रतिशत), देवगढ़ (50.77 प्रतिशत) व पीसांगन (50.84 प्रतिशत) तहसीलों में साक्षरता का प्रतिशत कम हैं इसे बढ़ाने की आवश्यकता हैं
2. शोध क्षेत्र में जिन तहसीलों में उच्चावचीय विषमताएँ अधिक हैं, वहाँ कार्यशील जनसंख्या का अधिक अनुपात प्राथमिक क्रियाओं में संलग्न हैं यहाँ शिक्षण संस्थाओं की कमी हैं तथा आधारभूत सुविधाएँ भी पर्याप्त उपलब्ध नहीं हैं। सामाजिक आर्थिक विकास के लिए यहाँ संसाधन प्रबंधन सुनियोजित तरीके से करना होगा। साथ ही आधारभूत सुविधाओं विशेषकर परिवहन मार्गों, सिंचाई सुविधाओं, विधुत आपूर्ति, चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की आवश्यकता है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. *नन्दकिशोर (1990): ग्रामीण राजस्थान में सामाजिक आर्थिक परिवर्तन के भौगोलिक आधार, प्रकाशित पीएच.डी. थीसिस, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर*
सिंह अमर तथा रजा, मेहदी (1982–83) : राजस्थान का भूगोल, कुलदीप प्रकाशन, अजमेर
2. *सुरेन्द्र कौर (1986): पंजाब में हरित क्रांति एवं सामाजिक आर्थिक परिवर्तन, पब्लिकेशन नई दिल्ली*
3. *जिला सांख्यिकी रूपरेखा जिला–अजमेर (2009), पाली (2008), राजसमंद (2008), आर्थिक व सांख्यिकी निदेशालय, जयपुर, राजस्थान*
4. *जनगणना विभाग, जयपुर जनसांख्यिकी आंकड़े 2001–2011*
5. *Dhabriya S.S. (1988): "Eco-Crisis in the Aravalli Hill Region", Environmental Research Publication-2*
6. *Dube, R.N. and Sinha, V.S. (1981) : Economic Development and Planning (Hindi), National Publishing House, New Delhi.*
7. *Economic : Review, 2011-12, Govt. of Rajasthan, Jaipur.*
8. *Geography and You : Iris Publication Private Ltd., New Delhi.*